ISSN : 2583-2948

रक्तहीन क्रांति

श्रीमती अनुराधा सिंह
स्वतंत्र लेखिका एवं अनुवादक, बंगलोर
मो॰ – 9930096966
ईमेल – anuradhadei@yahoo.co.in

हमारी पीढ़ी की
लड़कियों और औरतों की माँओं ने
फुसफुसा कर हम सब के कानों में कहा
'मुझे देखो और मेरी ज़िन्दगी को ,
अगर तुम नहीं चाहतीं यह सब तो मेरे पीछे चलो '

यह बीसवीं सदी की
सबसे बड़ी रक्तहीन क्रांति थी
पर्चे नहीं बांटे गए
तलवारें सान पर नहीं रखीं गयीं
और तख्ता पलट गया
जिन सपनों में अब तक बेटे अफसर होते थे
माँओं ने चुपके से लड़कियों को भी खड़ा कर लिया था
उन्होंने हमारे हाथों से छीन लिए
बेलन,करछी,सुई -धागे, बेलबूटे और गुड़ियाँ
छिपा दिए बिंदी, काजल, महावर और मेहंदी
और तेज़ करतीं रहीं पेंसिलों की नोकें हर सुबह
डिब्बे में परांठे के साथ सब्ज़ी, अचार और

ISSN : 2583-2948

कभी कभी सिर्फ अचार रख

हमारे बालों में स्कूली रिबन बाँधे

सबसे लड़ीं

कभी सर पर पल्लू, नज़रें नीची कर

पैर के अंगूठे से ज़मीन पर 'बिटिया' लिखते हुए

कभी वही पल्लू कमर में बाँध

आमने सामने

बहुत बाद में

टूटी फूटी अंग्रेज़ी में

हमारे नियुक्ति पत्र बार बार पढ़ कर

सुखी होती रहीं

तब उनके हाथों और पैरों की सब दरारें भर गईं थीं

ज़िल्लत और कमतरी के घाव भी

हमारी माँएं अपने समय की बेहतरीन सिपाही थीं

हमारी माँएं ये जंग जीत चुकी हैं

ISSN : 2583-2948

फिर भी यह कैसे हो

मैं प्रेम के लिये भूतकाल लिखूँ
बाँह पर तुम्हारी दृढ़ पकड़
स्मृति हो जाये
माथे का वह चुम्बन जो देखा नहीं
बस एक स्पर्श भर होंठ थे जिसमें
वह भी वियोग की नदी में
धुल-धुल कर धुँधला जाये

फिर भी यह कैसे हो
कि तुम उठकर चले जाओ
तो मैं अपना घर तहस नहस कर दूँ
यह कैसे हो कि तुम प्रेम में न रहो
तो मैं चाहे जाने का हुनर भूल जाऊँ

पूरब की ओर मेरा बायां कपोल हो
दहके आती हुई किरण के स्पर्श से
आरक्त हो उठे

ISSN : 2583-2948

पश्चिम मेरे अधबुझे सपने की पलक से

छू साँवला हो जाये

तुम यदि भूल भी जाओ

कि यह सब तुम्हारे काम हुआ करते थे

यह कैसे हो

कि एक तुम्हारे नज़र फेरते ही

दिशाएँ भी भूलने लगें

कि कोई प्यार में बहुत सुंदर दिखता है

मैंने सोचा था कि

सच नहीं हो सकता

इतना सुख

तुमसे कहा भी था डरती हूँ इतने प्रेम से

फिर भी यदि भूल जाओ मेरा सुख

इसे खो देने का मेरा डर

मैं क्यों भूलूँ कि उस बहुत सुख

को बाँध लिया है मैंने अपने ही थान

और बहुत प्रेम भी अब डराता नहीं मुझे।